Drishti IAS

करेंट अफेयर्स
उत्तराखंड
(संग्रह)

मार्च 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तराखंड 3

- उत्तराखंड समान नागरिक संहिता 3
- चमोली हिमस्खलन 4
- NGT द्वारा उत्तराखंड के अधिकारियों की उपस्थिति मांग...5
- एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी 6
- उत्तराखंड में रोपवे परियोजनाओं को मंजूरी..8
- प्रधानमंत्री मुखवा में प्रार्थना करेंगे...9
- उत्तराखंड में लखपति दीदी योजना...10
- उत्तराखंड की पहली नैनोफैब्रिकेशन सुविधा..11
- उत्तराखंड सरकार ने कई मदरसों को सील किया..12
- उत्तराखंड कैम्पा फंड 13
- उत्तराखंड में हिमस्खलन की चेतावनी 15
- प्रधानमंत्री मोदी का मुखवा दौरान...17

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड

उत्तराखंड समान नागरिक संहिता

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने कहा कि **लिव-इन रिलेशनशिप में** वृद्धि हो रही है और समान नागरिक संहिता (UCC) **का** उद्देश्य **महिलाओं और ऐसे संबंधों से पैदा हुए बच्चों के अधिकारों को समायोजित करना है।**

मुख्य बिंदु

- **न्यायालय की टिप्पणियाँ:**
  - उच्च न्यायालय ने UCC के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियाँ कीं।
  - राज्य **ने 26 जनवरी 2025 को समान नागरिक संहिता लागू की** तथा लिव-इन रिलेशनशिप के लिये पंजीकरण अनिवार्य कर दिया।
  - अदालत ने कहा कि **लिव-इन रिलेशनशिप में वृद्धि हो रही है और कानून का उद्देश्य महिलाओं और ऐसे संबंधों से पैदा हुए बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना है।**
- **न्यायालय में गोपनीयता संबंधी चिंताएँ उठाई गईं:**
  - यह तर्क दिया गया कि UCC **राज्य की अत्यधिक निगरानी की अनुमति देता है तथा गोपनीयता के अधिकार** के तहत संरक्षित व्यक्तिगत विकल्पों को प्रतिबंधित करता है।
  - यह कानून एक " **कठोर वैधानिक व्यवस्था**" स्थापित कर रहा था, जो व्यक्तिगत संबंधों पर पूछताछ, अनुमोदन और दंड को अधिकृत करता है।
  - यह कहा गया कि यद्यपि समाज लिव-इन संबंधों को पूरी तरह स्वीकार नहीं कर सकता, फिर भी कानून का उद्देश्य बदलते समय के अनुरूप ढलना है।
- **उत्पीड़न और सतर्कता की संभावना:**
  - सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तर्क दिया कि UCC के आलोचनात्मक अध्ययन से पता चलता है कि इससे **बहुसंख्यकवादी विचारों का विरोध करने वाले दंपतियों के विरुद्ध उत्पीड़न और हिंसा बढ़ सकती है।**
  - यह चेतावनी दी गई है कि यह कानून लिव-इन रिलेशनशिप का **विरोध करने वाले समूहों द्वारा सतर्कता को बढ़ावा दे सकता है ।**
  - इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई कि कानून किसी भी व्यक्ति को लिव-इन रिलेशनशिप की वैधता पर सवाल उठाने की शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है।
  - पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान आधार जैसे गोपनीय दस्तावेज़ों को अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने पर भी आपत्ति जताई गई।
- **राज्य सरकार का बचाव:**
  - अदालत ने **सॉलिसिटर जनरल से** पूछा कि क्या उत्तराखंड सरकार ने समान नागरिक संहिता लागू करने से पहले जनता से सुझाव मांगे थे और क्या उन सुझावों को शामिल किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह तर्क दिया गया कि UCC निजता के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है और यह केवल महिलाओं को अन्याय से बचाने के लिये **एक नियामक तंत्र के रूप में कार्य करता है। यह कानून सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद बना है।**

चमोली हिमस्खलन

चर्चा में क्यों?

1 मार्च, 2025 को **उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड के चमोली ज़िले** के माणा गाँव के पास **हिमस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण** किया।

- उन्होंने **जोशीमठ का भी दौरा किया** तथा घटनास्थल से बचाए गए घायल **सीमा सड़क संगठन (BRO) श्रमिकों से मुलाकात की।**

मुख्य बिंदु

- **माना हिमस्खलन में बचाव अभियान:**
  - बचाव दल ने बर्फ में फंसे **55 BRO श्रमिकों में से 47 को सफलतापूर्वक बचा लिया है।**
  - आठ श्रमिक अभी भी फँसे हुए हैं तथा बचाव कार्य अभी भी जारी है।
  - अधिकारियों ने **बचाव कार्यों में सहायता के लिये सेना के चार हेलीकॉप्टर** तैनात किये हैं।
- **सरकारी एवं प्रशासनिक प्रयास:**
  - यह पुष्टि की गई कि केंद्र और राज्य सरकार की सहायता से चार हेलीकॉप्टर बचाव अभियान में शामिल हो गए हैं।
  - बचाए गए सात श्रमिकों को उपचार के लिये जोशीमठ अस्पताल ले जाया गया है।
  - डॉक्टर उनकी स्थिति पर नज़र रख रहे हैं और उनमें से तीन की हालत स्थिर बताई गई है।
- **सुरक्षा बलों द्वारा संयुक्त प्रयास:**
  - माणा गाँव के निकट हुए हिमस्खलन में कई BRO श्रमिक बर्फ के नीचे दब गए।
  - **राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF), भारतीय सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)** की टीमें युद्ध स्तर पर संयुक्त बचाव अभियान चला रही हैं।

सीमा सड़क संगठन

- **परिचय:**
  - BRO की परिकल्पना और **स्थापना 1960 में पंडित जवाहरलाल नेहरू** द्वारा देश के **उत्तरी और पूर्वोत्तर सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों के नेटवर्क** के तीव्र विकास के समन्वय के लिये की गई थी।
  - **यह रक्षा मंत्रालय** के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।
  - **इसने हवाई अड्डों, भवन परियोजनाओं, रक्षा कार्यों और सुरंग निर्माण** सहित निर्माण और विकास कार्यों के एक बड़े क्षेत्र में विविधता ला दी है और लोगों के बीच अपनी लोकप्रियता बना ली है।
- **अब तक की उपलब्धियाँ:**
  - BRO ने छह दशकों से अधिक समय में भारत की सीमाओं पर तथा **भूटान, म्याँमार, अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान सहित मित्र देशों में** चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में **61,000 किलोमीटर से अधिक सड़कें, 900 से अधिक पुल, चार सुरंगें और 19 हवाई अड्डों का निर्माण किया है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- वर्ष 2022-23 में, BRO ने 103 बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ पूरी कीं, जो संगठन द्वारा एक वर्ष में की गई सबसे अधिक परियोजनाएँ हैं।
  - इनमें **पूर्वी लद्दाख में श्योक ब्रिज** और अरुणाचल प्रदेश में अलोंग-यिंकियोंग रोड पर **लोड क्लास 70 का स्टील आर्क सियोम ब्रिज का निर्माण शामिल है।**

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)

- ITBP की **स्थापना 24 अक्तूबर, 1962** को हुई थी।
- यह **भारत-तिब्बत सीमा** और 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा के पहाड़ी क्षेत्रों की रक्षा करने तथा भारत की उत्तरी सीमाओं की निगरानी करने के लिये ज़िम्मेदार है।
- वर्ष 2004 में, **ITBP ने सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में असम राइफल्स** की जगह ले ली। यह बल निम्नलिखित राज्यों में भारत-चीन सीमा की सुरक्षा करता है:
  - जम्मू-कश्मीर
  - हिमाचल प्रदेश
  - उत्तराखंड
  - सिक्किम
  - अरुणाचल प्रदेश

राष्ट्रीय आपदा राहत कोष

- आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अधिनियमन के साथ **राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि (NCCF)** का नाम बदलकर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया निधि (NDRF) कर दिया गया।
  - इसे **आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (DM एक्ट) की धारा 46 में** परिभाषित किया गया है।
- किसी भी आपदा की आशंका वाली स्थिति या आपदा के कारण **आपातकालीन प्रतिक्रिया, राहत और पुनर्वास** के लिये व्यय को पूरा करने के लिये इसका प्रबंधन केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है।
  - यह **गंभीर प्रकृति की आपदा के मामले में SDRF** को अनुपूरित करता है, बशर्ते SDRF में पर्याप्त धनराशि उपलब्ध न हो।

NGT द्वारा उत्तराखंड के अधिकारियों की उपस्थिति मांग

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने उत्तराखंड के उधम सिंह नगर ज़िले में **176 पेड़ों की अवैध कटाई** से जुड़े एक मामले में उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (UKPCB) **के सदस्य सचिव और राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक** को अपनःे समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है।

मुख्य बिंदु:

- **सुनवाई के संदर्भ में:**
  - NGT उधम सिंह नगर ज़िले के चांदपुर गाँव में निजी व्यक्तियों द्वारा आवासीय कॉलोनी के विकास के लिये **पेड़ों की अनधिकृत निर्वनीकरण के संबंध में एक याचिका की समीक्षा** कर रही है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **संयुक्त समिति के निष्कर्ष:**
  - अपने आदेश में NGT बेंच ने **संयुक्त समिति की रिपोर्ट का हवाला** दिया जिसमें **176 पेड़ों की अवैध कटाई की पुष्टि** की गई थी।
  - न्यायाधिकरण ने कहा कि अनधिकृत वनों की कटाई के लिये **पर्यावरण क्षतिपूर्ति वसूल** की जानी चाहिये।
  - **मामले की जाँच करने वाली संयुक्त समिति में शामिल हैं:**
    - **ज़िला मजिस्ट्रेट**
    - **केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का देहरादून क्षेत्रीय कार्यालय**
    - **उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (UKPCB)**
- **न्यायाधिकरण के निर्देश:**
  - रिपोर्ट की समीक्षा के बाद NGT ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव और अन्य संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा।
  - न्यायाधिकरण ने व्यक्तिगत उपस्थिति के महत्त्व पर बल दिया:
    - UKPCB के सदस्य सचिव
    - प्रधान मुख्य वन संरक्षक (PCCF)
  - न्यायालय ने उन्हें मामले में सहायता के लिये अगली सुनवाई में **व्यक्तिगत रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित होने का निर्देश** दिया।
  - न्यायाधिकरण ने इस बात पर बल दिया कि **न्यायसंगत एवं उचित निर्णय के लिये उनकी उपस्थिति महत्त्वपूर्ण** है।

उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (UKPCB)

- यह **जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974** और **वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के तहत** स्थापित एक **वैधानिक संगठन** है।
- UKPCB भारत के **उत्तराखंड राज्य में प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और कमी** के लिये ज़िम्मेदार है।
- इसका **मुख्यालय देहरादून, उत्तराखंड में** है।

एकीकृत पेंशन योजना को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने **केंद्र सरकार की एकीकृत पेंशन योजना** और **नई आबकारी नीति 2025** के कार्यान्वयन को मंज़ूरी दे दी है।

- सरकार ने **साहित्य** और **संस्कृति को** बढ़ावा देने के लिये **45 लेखकों को वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है।**

मुख्य बिंदु

- **एकीकृत पेंशन योजना (UPS) अनुमोदन:**
  - उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने **राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS)** के अंतर्गत अधिकारियों और कर्मचारियों के लिये **एकीकृत पेंशन योजना के कार्यान्वयन को मंज़ूरी दे दी।**
  - इस योजना का उद्देश्य सेवानिवृत्ति के बाद सुनिश्चित पेंशन भुगतान उपलब्ध कराना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह 1 अप्रैल, 2025 से लागू होगा।
- **नई आबकारी नीति 2025**
  - **धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए धार्मिक स्थलों के निकट शराब के लाइसेंस** बंद कर दिये जाएंगे।
  - जनता की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए **शराब की बिक्री** पर कड़ा नियंत्रण लगाया जाएगा।
  - **उप-दुकानें** और **मेट्रो शराब बिक्री प्रणाली को** समाप्त कर दिया गया है।
  - यदि कोई दुकान **अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) से अधिक पर शराब बेचती है तो** उसका लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।
  - 2025-26 के लिये आबकारी **राजस्व लक्ष्य 5,060 करोड़ रुपए** निर्धारित किया गया है।
  - **वर्ष** 2023-24 में **4,000 करोड़ रुपए** के लक्ष्य की तुलना में **4,038.69 करोड़ रुपए** का राजस्व अर्जित किया गया।
  - **वर्ष** 2024-25 में **4,439 करोड़ रुपए** के लक्ष्य की तुलना में अब तक 4,000 करोड़ रुपए प्राप्त हो चुके हैं।
- **साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देना**
  - सरकार ने इस वर्ष **45 लेखकों के लिये वित्तीय सहायता की घोषणा की है।**
  - **उत्तराखंड साहित्य भूषण पुरस्कार** सहित 21 नए साहित्यिक पुरस्कार शुरू किये गए हैं।
  - **यह पहल साहित्य** और **संस्कृति के** संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
  - मुख्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह वित्तीय सहायता **सांस्कृतिक संरक्षण** और **साहित्यिक विकास के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।**

एकीकृत पेंशन योजना

- **सुनिश्चित पेंशन: यह 25 वर्ष** की न्यूनतम अर्हक सेवा के लिये सेवानिवृत्ति से पूर्व **अंतिम 12 महीनों** में कर्मचारी के औसत मूल वेतन का **50%** होता है।
  - यह राशि, कम-से-कम **10 वर्ष की सेवा अवधि तक, आनुपातिक रूप से कम होती जाएगी।**
- **सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन: न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा** के बाद सेवानिवृत्ति की स्थिति में, **UPS 10,000 रुपए प्रति माह** की सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन प्रदान करता है।
- **सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन: सेवानिवृत्त व्यक्ति की मृत्यु** पर, उसका निकटतम परिवार सेवानिवृत्त व्यक्ति द्वारा अंतिम बार प्राप्त पेंशन का **60%** पाने का पात्र होगा।
- **मुद्रास्फीति सूचकांकीकरण:** उपर्युक्त तीनों प्रकार की पेंशनों पर महंगाई राहत उपलब्ध होगी।
  - **औद्योगिक श्रमिकों के लिये अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक** के आधार पर **सूचकांक की गणना की जाएगी।**
- **सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त भुगतान:** ग्रेच्युटी के अतिरिक्त, कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर **एकमुश्त भुगतान प्राप्त होगा,** जो सेवा के प्रत्येक छह माह पूरे होने पर सेवानिवृत्ति तिथि के अनुसार उनके **मासिक वेतन (वेतन+डीए) के 1/10वें** भाग के बराबर होगा।
  - **इस भुगतान से सुनिश्चित पेंशन** की राशि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
  - **ग्रेच्युटी** वह राशि है, जो नियोक्ता द्वारा अपने कर्मचारियों को उनकी सेवाएँ प्रदान करने के लिये दी जाती है।
- **कर्मचारियों के लिये विकल्प:** कर्मचारी अभी भी NPS **के तहत बने रहने का विकल्प चुन सकते हैं।** हालाँकि, एक कर्मचारी केवल एक बार ही विकल्प चुन सकता है। एक बार विकल्प चुनने के बाद, विकल्प बदला नहीं जा सकता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड में रोपवे परियोजनाओं को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

5 मार्च, 2025 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में **आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने उत्तराखंड** में दो रोपवे परियोजनाओं को मंज़ूरी दी।

मुख्य बिंदु

- **रोपवे के बारे में:**
  - रोपवे **सोनप्रयाग को केदारनाथ से** तथा **गोविंदघाट को हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा से जोड़ेगा।**
  - ये परियोजनाएँ, जिनकी अनुमानित लागत 7,000 करोड़ रुपए है, **राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम, पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत आती हैं ।**
  - समुद्र तल से 3,500 मीटर से अधिक ऊँचाई पर स्थित रोपवे से **तीर्थ स्थलों तक यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा ।**
- **गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब रोपवे:**
  - **लंबाई:** 12.4 किमी.
  - **लागत:** 2,730.13 करोड़ रुपए
  - **विकास मोड: सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP)** के तहत डिज़ाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (DBFOT)।
  - **वर्तमान यात्रा:** तीर्थयात्री वर्तमान में गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 21 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई पैदल, टट्टू या पालकी पर करते हैं।
- **अपेक्षित लाभ:**
  - रोपवे से तीर्थयात्रियों की यात्रा आसान हो जाएगी, क्योंकि गुरुद्वारा वर्ष में केवल पाँच महीने (मई से सितंबर) के लिये ही खुला रहता है।
  - प्रतिवर्ष 1.5 से 2 लाख तीर्थयात्री हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिये आते हैं।
  - इससे **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, फूलों की घाटी आने वाले पर्यटकों को भी लाभ होगा।**
- **सोनप्रयाग से केदारनाथ रोपवे:**
  - **लंबाई:** 12.9 किमी.
  - **लागत:** 4,081.28 करोड़ रुपए
  - **प्रौद्योगिकी:** हेमकुंड साहिब रोपवे के समान
- **समय में कमी:**
  - रोपवे से यात्रा का समय वर्तमान 8-9 घंटे से घटकर मात्र 36 मिनट रह जाएगा।
  - वर्तमान में तीर्थयात्री हेलीकॉप्टर, टट्टू या फिर गौरीकुंड से केदारनाथ तक 16 किलोमीटर का चढ़ाई वाला रास्ता पैदल तय करते हैं।
  - **केदारनाथ मंदिर** 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और चार धाम यात्रा में सबसे अधिक दर्शनीय मंदिर है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **आर्थिक एवं पर्यटन प्रभाव:**
  - रोपवे परियोजनाओं से **निर्माण एवं संचालन के दौरान रोज़गार सृजन होगा।**
  - वे पूरे वर्ष आतिथ्य, यात्रा, खाद्य एवं पेय (F&B) और पर्यटन जैसे संबद्ध उद्योगों को बढ़ावा देंगे।

पर्वतमाला परियोजना

- इसे केंद्रीय बजट 2022-23 में एक कुशल और सुरक्षित वैकल्पिक परिवहन नेटवर्क के रूप में घोषित किया गया था।
- **यह योजना PPP (सार्वजनिक निजी भागीदारी) मोड** पर आधारित है, जो कठिन पहाड़ी क्षेत्रों में पारंपरिक सड़कों के स्थान पर एक पसंदीदा **पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ विकल्प** उपलब्ध कराती है।
- इसका उद्देश्य पर्यटन **को** बढ़ावा देने के अलावा **यात्रियों के लिये कनेक्टिविटी और सुविधा में सुधार करना है।**
  - इसमें भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्र भी शामिल हो सकते हैं, जहाँ पारंपरिक जन परिवहन प्रणालियाँ व्यवहार्य नहीं हैं।

आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA)

- इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री **करते हैं** और यह **सार्वजनिक क्षेत्र के निवेशों के लिये प्राथमिकताएँ निर्धारित करती है।**
- **यह एक एकीकृत** आर्थिक नीति **ढाँचा विकसित करने के लिये आर्थिक प्रवृत्ति की** निरंतर समीक्षा करती है तथा विदेशी निवेश सहित आर्थिक क्षेत्र में नीतियों और गतिविधियों की देखरेख करती है, जिसके लिये उच्च स्तरीय निर्णय लेने की आवश्यकता होती है।

प्रधानमंत्री मुखवा में प्रार्थना करेंगे

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री उत्तराखंड के दौरा के दौरान माँ गंगा के **शीतकालीन निवास मुखवा** में पूजा-अर्चना करेंगे।

मुख्य बिंदु

- **हर्षिल में कार्यक्रम:**
  - प्रधानमंत्री **हर्षिल में एक ट्रेक और बाइक रैली को हरी झंडी दिखाएंगे।**
  - वह क्षेत्र में एक समारोह के दौरान एक सार्वजनिक सभा को भी संबोधित करेंगे।
- **शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम:**
  - उत्तराखंड सरकार ने वर्ष 2025 में **शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम** शुरू किया है।
  - इस पहल **का उद्देश्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।**
  - हज़ारों श्रद्धालु पहले ही शीतकालीन स्थल गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ **के दर्शन कर चुके हैं।**
  - यह कार्यक्रम होमस्टे, पर्यटन व्यवसाय और संबंधित क्षेत्रों को समर्थन देगा।

मुखवा

- **यह हरसिल शहर में भागीरथी नदी के तट** पर **गंगोत्री तीर्थस्थल के** रास्ते पर स्थित एक छोटा-सा गाँव है।
- यह समुद्र तल से **2620 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

गंगा नदी तंत्र

- गंगा की मुख्य धारा जिसे '**भागीरथी**' **कहा जाता है**, **गंगोत्री ग्लेशियर से मिलती है** तथा उत्तराखंड के देवप्रयाग में अलकनंदा से मिलती है।
- हरिद्वार में **गंगा पहाड़ों से निकलकर** मैदानों में आती है।
- गंगा में हिमालय से निकलने वाली कई सहायक नदियाँ मिलती हैं,जैसे **यमुना**, **घाघरा**, **गंडक**, **को**सी आदि।

उत्तराखंड में लखपति दीदी योजना

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के उधम सिंह नगर ज़िले ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के तहत एक प्रमुख पहल, लखपति दीदी योजना के कार्यान्वयन में सबसे अधिक सफलता प्राप्त की।

मुख्य बिंदु

- **लक्ष्य की ओर प्रगति:**
  - **उधम सिंह नगर अपने लक्ष्य के करीब पहुँच गया है, जहाँ** 27,285 लक्ष्य की तुलना में 25,918 महिलाएँ **लखपति दीदी** बन चुकी हैं।
  - **दूसरे स्थान पर हरिद्वार है**, जिसने 23,588 लक्ष्य में से 21,442 लक्ष्य प्राप्त कर लिये हैं।
  - पौड़ी, अल्मोड़ा और टिहरी ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है।
- **ग्रामीण महिलाओं के लिये उद्यमशीलता के अवसर:**
  - लखपति दीदी योजना के अंतर्गत ग्रामीण महिलाएँ निम्नलिखित कार्य करके उद्यमी बन गई हैं:
    - मोटे अनाज और फलों का मूल्य संवर्द्धन।
    - डेयरी फार्मिंग और एलपीजी वितरण।
    - प्राथमिक पशु चिकित्सा देखभाल और बीमा योजनाएँ, कमीशन अर्जित करना।
    - डिजिटल लेनदेन, घरेलू आय को मज़बूत करना।
- **महिला सशक्तीकरण पर NRLM का प्रभाव:**
  - NRLM ने दूरदराज़ के गाँवों में रहने वाली महिलाओं के जीवन में बदलाव लाकर उन्हें न केवल वित्तीय स्थिरता प्रदान की है, बल्कि सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता भी प्रदान की है।

लखपति दीदी पहल

- **परिचय:**
  - "लखपति दीदी" स्वयं सहायता समूह की वह सदस्य होती है, जिसने सफलतापूर्वक **एक लाख रुपए या उससे अधिक की वार्षिक घरेलू आय प्राप्त कर ली हो।**
  - यह आय कम-से-कम चार कृषि मौसमों या व्यवसाय चक्रों तक बनी रहती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि औसत मासिक आय दस हज़ार रुपए से अधिक है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **इसकी शुरुआत दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)** द्वारा की गई थी, जिसमें प्रत्येक SHG परिवार को मूल्य शृंखला हस्तक्षेपों के साथ कई आजीविका गतिविधियों को अपनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष 1,00,000 रुपए या उससे अधिक की स्थायी आय होती है।

- **उद्देश्य:**
  - इस पहल का उद्देश्य **न केवल महिलाओं की आय में सुधार करके उन्हें सशक्त बनाना है, बल्कि स्थायी आजीविका पद्धितियों के माध्यम से उनके जीवन में बदलाव लाना है।**
  - ये महिलाएँ अपने समुदायों में आदर्श के रूप में कार्य करती हैं तथा प्रभावी संसाधन प्रबंधन और उद्यमशीलता की शक्ति का प्रदर्शन करती हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

- **परिचय:**
  - यह एक **केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम** है, जिसे जून 2011 में ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।
- **उद्देश्य:**
  - देश भर में ग्रामीण गरीब परिवारों के लिये विविध आजीविका को बढ़ावा देने और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुँच के माध्यम से ग्रामीण गरीबी को समाप्त करना।
- **कार्य:**
  - इसमें सामुदायिक पेशेवरों के माध्यम से सामुदायिक संस्थाओं के साथ स्व-सहायता की भावना से **काम करना शामिल है, जो DAY-NRLM का एक अनूठा प्रस्ताव है।**
  - यह **सार्वभौमिक सामाजिक लामबंदी के माध्यम से आजीविका को प्रभावित करता है** , इसके साथ-साथ प्रत्येक ग्रामीण गरीब परिवार से एक महिला सदस्य को **स्वयं सहायता समूह (SHG) में संगठित करना**, उनका प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण करना, उनकी सूक्ष्म आजीविका योजनाओं को सुविधाजनक बनाना तथा उन्हें अपने स्वयं के संस्थानों और बैंकों से वित्तीय संसाधनों तक पहुँच के माध्यम से अपनी आजीविका योजनाओं को लागू करने में सक्षम बनाना है।

उत्तराखंड की पहली नैनोफैब्रिकेशन सुविधा

चर्चा में क्यों?

IIT-रुड़की ने **भारत के** सेमीकंडक्टर विनिर्माण मिशन को आगे बढ़ाने के लिये उत्तराखंड में **अत्याधुनिक** नैनोफैब्रिकेशन **सुविधा** स्थापित की है।

मुख्य बिंदु

- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:**
  - IIT-रुड़की ने विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने के लिये **ताइवान के प्रमुख सेमीकंडक्टर संस्थानों के साथ सहयोग किया।**
  - विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) ने इस परियोजना को वित्त पोषित किया, जो वर्ष 2019 में शुरू हुई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा:**
  - इस सुविधा में अत्याधुनिक उपकरण शामिल हैं, जैसे :
    - 10nm रिज़ोल्यूशन के साथ 0 kV **इलेक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी (EBL) प्रणाली।**
    - **प्रेरणिक युग्मित प्लाज्मा RIE (ICP-RIE):** अर्द्धचालक विनिर्माण के लिये एक प्रमुख नक्काशी प्रौद्योगिकी।
  - **नियंत्रित वातावरण** वाले अति-स्वच्छ कमरों से सुसज्जित:
    - परिशुद्धता अनुसंधान के लिये वर्ग 100 स्थान (300 वर्ग फीट) और वर्ग 1000 स्थान (600 वर्ग फीट)।
- **अनुसंधान अनुप्रयोग:**
  - यह सुविधा निम्नलिखित क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान को समर्थन प्रदान करती है:
- क्वांटम सेंसर
- स्पिनट्रॉनिक्स
  - मेमोरी डिवाइस
  - पतली फिल्म वाले उपकरण
- फोटो डिटेक्टर
- क्वांटम प्रकाशिकी
- फोटोनिक क्रिस्टल

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

- DST की नींव **3 मई 1971 को** राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन, USA के मॉडल पर रखी गई थी।
- यह **वित्तपोषण प्रदान करता है और नीतियाँ बनाता है** तथा अन्य देशों के साथ वैज्ञानिक कार्यों का समन्वय भी करता है।
- यह **वैज्ञानिकों और वैज्ञानिक संस्थानों को सशक्त बनाता है** तथा स्कूल कॉलेज, पीएचडी, पोस्टडॉक्टरल छात्रों, युवा वैज्ञानिकों, स्टार्टअप्स और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों जैसे हितधारकों को शामिल करते हुए एक अत्यधिक वितरित प्रणाली के साथ काम करता है।
- विगत कुछ वर्षों में DST का बजट 100% बढ़ा है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में नए कार्यक्रम शुरू करने की सुविधा मिली है।

उत्तराखंड सरकार ने कई मदरसों को सील किया

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड सरकार ने राज्य में **52** मदरसों **को** सील कर दिया है। इस पर **मुस्लिम संगठनों** ने अल्पसंख्यक धार्मिक संस्थानों **पर कार्रवाई की आलोचना की है।**

मुख्य बिंदु

- **राज्य में मदरसे सील:**
  - सरकारी अधिकारियों ने **अवैध एवं अनाधिकृत निर्माण को** इसका प्राथमिक कारण बताया।
  - कुछ संस्थाएँ अपंजीकृत तथा बिना मान्यता के संचालित **पाई गईं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- राज्य के मुख्यमंत्री के आदेश के बाद **जनवरी 2024 में अल्पसंख्यक संस्थानों के खिलाफ** पहचान अभियान शुरू हुआ था।
  - मुख्यमंत्री ने **अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता दोहराई**
- **अवैध अतिक्रमणों पर राज्यव्यापी कार्रवाई:**
  - वर्ष 2023 में सरकार ने **वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ राज्यस्तरीय अभियान शुरू किया।**
  - अभियान के तहत उत्तराखंड में 450 से अधिक मजार (अल्पसंख्यक धार्मिक संरचनाएँ) और 50 मंदिर ध्वस्त कर दिये गए।

मदरसा

- मदरसा एक **अरबी शब्द है,** जिसका अर्थ **शैक्षणिक संस्थान होता है।**
- आरंभ में इस्लाम में **मस्जिदें** शैक्षणिक संस्थानों के रूप में कार्य करती थीं, लेकिन 10वीं शताब्दी तक, मदरसे इस्लामी दुनिया में धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष शिक्षा दोनों के लिये अलग-अलग संस्थाओं के रूप में विकसित हो गए।
- सबसे प्रारंभिक मदरसे खुरासान **और ट्रांसोक्सेनिया (आधुनिक पूर्वी और उत्तरी ईरान, मध्य एशिया और अफगानिस्तान) में स्थापित किये गए,** जहाँ बड़े संस्थान छात्रों, विशेष रूप से गरीब पृष्ठभूमि के छात्रों के लिये आवास उपलब्ध कराते थे।
- मान्यता प्राप्त मदरसे **राज्य बोर्ड के अधीन हैं; गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे दारुल उलूम नदवतुल उलमा और दारुल उलूम देवबंद जैसे** प्रमुख मदरसों के पाठ्यक्रम का पालन करते हैं।

अतिक्रमण

- यह **किसी और की संपत्ति का अनधिकृत उपयोग या कब्ज़ा है।** यह परित्यक्त या अप्रयुक्त स्थानों पर हो सकता है यदि कानूनी मालिक इसके रखरखाव में सक्रिय रूप से शामिल नहीं है। संपत्ति के मालिकों के लिये ऐसे मामलों में उठाए जाने वाले **कानूनी कदमों और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक होना महत्त्वपूर्ण है।**
- शहरी अतिक्रमण से तात्पर्य शहरी क्षेत्रों में भूमि या संपत्ति पर **अनधिकृत कब्ज़े या उपयोग से है।**
- इसमें **अवैध निर्माण, अवैध कब्जा या** उचित अनुमति या कानूनी अधिकार के बिना किसी भी अन्य प्रकार का कब्ज़ा शामिल हो सकता है।
  - भारतीय दंड संहिता (IPC), **1860 की धारा** 441 के अनुसार भूमि अतिक्रमण, किसी अन्य की संपत्ति में बिना अनुमति के अवैध रूप से प्रवेश करके अपराध करने, संपत्ति पर कब्ज़े की धमकी देने या बिना आमंत्रण के भूमि पर रहने का कार्य है।

उत्तराखंड कैम्पा फंड

चर्चा में क्यों?

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तराखंड के जवाब की समीक्षा की और **उत्तराखंड वन विभाग द्वारा** प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (CAMPA) **के धन का** 'विपथन' को महत्त्वहीन माना।

मुख्य बिंदु

- **CAG रिपोर्ट पर आधारित आरोप:**
  - सर्वोच्च न्यायालय ने सार्वजनिक डोमेन में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) **की रिपोर्ट** में लगाए गए आरोपों के संबंध में उत्तराखंड के मुख्य सचिव से जवाब मांगा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- रिपोर्ट में वन विभाग पर आईफोन और लैपटॉप सहित गैजेट खरीदने के लिये प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (CAMPA) **के धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है।**
- कथित रूप से दुरुपयोग की गई धनराशि **कुल उपलब्ध CAMPA निधि का केवल 1.8% थी।**

- **ब्याज जमा अनुपालन पर निर्देश:**
  - न्यायालय ने उत्तराखंड को प्रतिपूरक वनीकरण निधि अधिनियम, 2016 के अनुसार **राज्य प्रतिपूरक वनीकरण निधि (SCAF) में समय पर ब्याज जमा करने का निर्देश दिया।**
  - CAG रिपोर्ट में कैम्पा अधिकारियों के कई अनुरोधों के बावजूद वर्ष 2019-20 और वर्ष 2021-22 के बीच 275.34 करोड़ रुपए ब्याज का भुगतान न करने पर प्रकाश डाला गया है।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

- **संविधान के अनुच्छेद 148** के अनुसार भारत का CAG **भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग (IA-AD) का** प्रमुख होता है। वह सार्वजनिक खजाने की सुरक्षा और केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर वित्तीय प्रणाली की देखरेख के लिये ज़िम्मेदार होता है।
  - CAG वित्तीय प्रशासन में संविधान **और संसदीय कानूनों को बनाए रखता है और इसे सर्वोच्च न्यायालय,** चुनाव आयोग **और** संघ लोक सेवा आयोग के साथ भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली के प्रमुख स्तंभों में से एक माना जाता है।
- भारत का CAG **नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 द्वारा शासित होता है,** जिसमें 1976, 1984 और 1987 में महत्त्वपूर्ण संशोधन किये गए।

प्रतिपूरक वनरोपण निधि

- CAF अधिनियम **केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2016 में पारित किया गया था** और संबंधित नियमों को वर्ष 2018 में अधिसूचित किया गया था।
- CAF अधिनियम प्रतिपूरक वनरोपण के लिये एकत्र धनराशि का प्रबंधन करने के लिये अधिनियमित किया गया था, जिसे अब तक **तदर्थ प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (CAMPA) द्वारा प्रबंधित किया जाता था।**
  - **प्रतिपूरक वनरोपण** का अर्थ है कि जब भी वन भूमि को खनन या उद्योग जैसे गैर-वनीय उद्देश्यों के लिये उपयोग में लाया जाता है, तो उपयोगकर्त्ता एजेंसी गैर-वनीय भूमि के बराबर क्षेत्र में वन लगाने के लिये भुगतान करती है या जब ऐसी भूमि उपलब्ध नहीं होती है, तो अवक्रमित वन भूमि के दोगुने क्षेत्र में वन लगाने के लिये भुगतान करती है।
- नियमों के अनुसार, **CAF का 90% धन राज्यों को दिया जाना है, जबकि 10% केंद्र द्वारा रखा जाना है।**
- इस निधि का **उपयोग जलग्रहण क्षेत्रों के उपचार, प्राकृतिक उत्पादन में सहायता, वन प्रबंधन,** वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन, **संरक्षित क्षेत्रों से गाँवों के स्थानांतरण, मानव-वन्यजीव संघर्षों के प्रबंधन, प्रशिक्षण और जागरूकता सृजन, लकड़ी बचाने वाले उपकरणों की आपूर्ति और संबद्ध गतिविधियों के लिये किया जा सकता** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड में हिमस्खलन की चेतावनी

चर्चा में क्यों ?

रक्षा भूसूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान ((DGRE) ने उत्तराखंड के पाँच ज़िलों के ऊँचाई वाले क्षेत्रों के लिये हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है।

मुख्य बिंदु

- **चमोली में हिमस्खलन:**
  - यह अलर्ट चमोली ज़िले में भारत-चीन सीमा के पास **माणा (चमोली) में हुए घातक** हिमस्खलन **के बाद जारी किया गया है।**
  - हिमस्खलन में सीमा सड़क संगठन (BRO) **के आठ संविदा कर्मियों की मौत हो गई।**
- **हिमस्खलन चेतावनियाँ:**
  - DGRE ने चमोली में ऊँचाई वाले क्षेत्रों के लिये **ऑरेंज अलर्ट जारी किया है,** जो हिमस्खलन के उच्च जोखिम का संकेत है।
  - उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ और रुद्रप्रयाग ज़िलों के लिये मध्यम जोखिम का संकेत देने वाला येलो अलर्ट जारी किया गया था।
  - **बागेश्वर ज़िले के लिये** कम खतरे के स्तर को दर्शाते हुए ग्रीन अलर्ट जारी किया गया।
    - ताज़ा बर्फबारी के कारण ढलानों पर बर्फ का जमाव बढ़ गया है, जिससे इन क्षेत्रों में हिमस्खलन का खतरा काफी बढ़ गया है।
- **सुरक्षा अनुशंसाएँ:**
  - DGRE ने घाटी में **सुरक्षित और सावधानीपूर्वक चयनित मार्गों तक आवाजाही को सीमित रखने की सलाह दी।**
  - इसमें यात्रा करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है तथा **बर्फ से भरी ढलानों पर जाने के प्रति चेतावनी दी गई है।**
  - प्राधिकारियों ने हिमस्खलन-प्रवण मार्गों के निकट स्थित असुरक्षित बस्तियों को खाली कराने की सिफारिश की।

रक्षा भूसूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (DGRE)

- **परिचय:**
  - DGRE रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के अंतर्गत एकमात्र ऐसा संस्थान है जो **सशस्त्र बलों को उन्नत भू-आसूचना समाधान प्रदान करता है।**
  - यह भारतीय हिमालय में **भूस्खलन और हिमस्खलन के मानचित्रण, पूर्वानुमान, निगरानी, नियंत्रण और शमन में विशेषज्ञता रखता है।**
  - DGRE की **स्थापना 15 नवंबर 2020 को** DRDO के आर्मामेंट एंड कॉम्बैट इंजीनियरिंग क्लस्टर के तहत की गई थी।
  - इसका गठन DRDO की दो प्रमुख प्रयोगशालाओं को मिलाकर किया गया था:
    - **हिम एवं हिमस्खलन अध्ययन प्रतिष्ठान (SASE),** चंडीगढ़
    - **रक्षा भू-भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (DTRL),** दिल्ली
  - DGRE का मुख्यालय **चंडीगढ़ में** स्थित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अनुसंधान एवं मौसम विज्ञान केंद्र:**
  - DGRE **पाँच अनुसंधान एवं विकास केंद्र (RDCs) संचालित करता है :**
    - मनाली (हिमाचल प्रदेश)
    - दिल्ली
    - तेजपुर (असम)
    - तवांग (अरुणाचल प्रदेश)
    - लाचुंग (सिक्किम)
  - इसके **तीन पर्वतीय मौसम विज्ञान केंद्र (MMCs) भी हैं :**
    - श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)
    - औली (उत्तराखंड)
    - सासोमा (लद्दाख यूटी)
- **उद्देश्य:**
  - **चुनौतीपूर्ण इलाकों में सैनिकों की सुरक्षित गतिशीलता** सुनिश्चित करना।
  - आधुनिक मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके **विभिन्न भूभागों की सैन्य क्षमता का** आकलन करना।
- **मिशन प्राथमिकताएँ:**
  - **भूस्थानिक सूचना प्रणाली** - परिचालन योजना और सैन्य खुफिया जानकारी के लिये एक प्रणाली विकसित करना।
  - **इंजीनियरिंग समाधान** - विशेष रूप से हिमस्खलन और भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों में सुरक्षित सैन्य आवाजाही सुनिश्चित करने के लिये अत्याधुनिक इंजीनियरिंग समाधान प्रदान करना।
  - **एआई-सक्षम प्रणालियाँ** - अनुकूलित तैनाती और परिचालन दक्षता के लिये एआई-संचालित समाधान बनाएँ।

हिमस्खलन

- **परिचय:**
  - हिमस्खलन किसी पहाड़ या ढलान **से बर्फ और मलबे का अचानक, तेज़ी से नीचे आना है।**
  - यह विभिन्न कारकों से उत्पन्न हो सकता है, जैसे भारी बर्फबारी, तापमान में तीव्र परिवर्तन, या मानवीय गतिविधियाँ।
  - हिमस्खलन की आशंका वाले कई क्षेत्रों में **विशेष टीमें होती हैं जो** विस्फोटकों, बर्फ अवरोधों और अन्य सुरक्षा उपायों जैसे विभिन्न तरीकों का उपयोग करके हिमस्खलन के जोखिम की निगरानी और नियंत्रण करती हैं।
- **प्रकार:**
  - **चट्टानी हिमस्खलन** जिसमें टूटी हुई चट्टान के बड़े खंड शामिल होते हैं।
  - **हिमस्खलन** जो आमतौर पर ग्लेशियर के आसपास होता है।
  - **मलबा - हिमस्खलन** जिसमें विभिन्न प्रकार की असंगठित सामग्रियाँ होती हैं, जैसे ढीले पत्थर और मिट्टी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रधानमंत्री मोदी का मुखवा दौरान

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री **नरेन्द्र मोदी** द्वारा **उत्तरकाशी** ज़िले में "**माँ गंगा**" के शीतकालीन निवास **मुखवा** की यात्रा से **उत्तराखंड** में **चार धाम यात्रा** के लिये एक **सकारात्मक वातावरण** बन गया है।।

मुख्य बिंदु

- **चार धाम यात्रा हिमालय** की ऊँची पर्वतमालाओं में स्थित चार पवित्र स्थलों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ की तीर्थयात्रा को संदर्भित करती है।
- **वार्षिक चार धाम यात्रा इस वर्ष (2025) 30 अप्रैल 2025** को **गढ़वाल हिमालय** में **गंगोत्री** और **यमुनोत्री मंदिरों** के कपाट खुलने के साथ शुरू होने वाली है।
- यह **पहली बार था** कि प्रधानमंत्री चार धाम यात्रा **की शुरूआत के समय उत्तराखंड आये।**
- **मुखबा - गंगोत्री का शीतकालीन तीर्थस्थल :**
  - यह स्थान इस तथ्य के कारण लोकप्रिय है कि **देवी गंगा की मूर्ति को ऊपरी हिमालय** में स्थित **गंगोत्री मंदिर** से **मुखबा** लाया जाता है तथा शीतकाल के दौरान यहाँ रखा जाता है, क्योंकि भारी बर्फबारी के कारण गंगोत्री तक पहुँचना कठिन हो जाता है।
  - **हर साल दिवाली** के शुभ अवसर पर **गंगा की मूर्ति को** भक्तों के जुलूस और **गढ़वाल राइफल्स** के आर्मी बैंड के साथ मुखबा स्थित मंदिर में लाया जाता है।
  - **भक्तगण शीतकालीन चार धाम यात्रा** के एक भाग के रूप में मुखबा की यात्रा कर सकते हैं, क्योंकि उत्तराखंड सरकार ने सर्दियों के लिये भी सभी चार धामों को खोलने की योजना बनाई है। मुखबा को चार धाम यात्रा के दौरान भी कवर किया जा सकता है।

चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - देवी यमुना **को समर्पित।**
  - यमुना नदी भारत में गंगा नदी के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा को।
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - भगवान शिव **को समर्पित।**
  - मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है।
  - भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर का घर।
  - भगवान विष्णु **को समर्पित**।
  - वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :